Dabang Dunia (Indore), 1st September 2023, Page-03

इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. सिवन आईआईटी बोर्ड के चेयरमैन बने

इंदौर अब अंतरिक्ष विज्ञान में भी धाक जमाने की तैयारी में

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

स्वच्छता, वायु गुणवत्ता और स्मार्ट सिटी में देश में नंबर वन इंदौर अब अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी देश में अपनी धाक जमाने को तैयार है। इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के. सिवन को इंदौर आईआईटी बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में इसी वर्ष शुरू हुए अंतरिक्ष विज्ञान कोर्स के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। डॉ. सिवन के पास स्पेस और एयरोनाटिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है।

आईआईटी बाम्बे के पूर्व छात्र, इसरो और अंतरिक्ष आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. के. सिवन को बोर्ड आफ गवर्नर्स आईआईटी इंदौर के अध्यक्ष के रूप में तीन साल के लिए नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि डॉ. के. सिवन को शामिल करने का यह सबसे बेहतर अवसर है, क्योंकि भारत ने चंद्रयान-3 के माध्यम से एक ऐतिहासिक अवसर प्राप्त किया है और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना कौशल और विशेषज्ञता दिखाई है। इस वर्ष से हमने अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग में बीटेक कार्यक्रम सहित 10 नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए हैं।

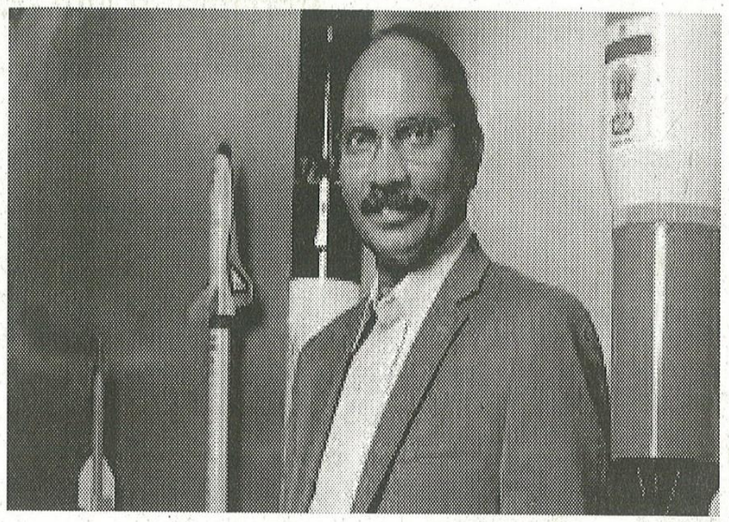

अंतरिक्ष विज्ञान एक अनोखा कार्यक्रम है, जो केवल आइआइटी इंदौर में शुरू किया गया है।

आईआईटी इंदौर अंतरिक्ष युग को बढ़ाने में करेगा मदद

डॉ. सिवन की नियुक्ति से उम्मीद जताई जा रही है कि अब आईआईटी इंदौर इसरो के साथ सहयोग करने के लिए काम करेगा। साथ ही भारत को नए अंतरिक्ष युग में आगे बढ़ाने में अपना योगदान देगा। इसके चलते आईआईटी इंदौर में इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सहयोग से बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई जा रही है। इससे संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग के अनछुए क्षेत्र में काम करने और देश के अंतरिक्ष मिशन में योगदान करने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि आईआईटी इंदौर में 2016 से ही खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग में एमटेक और पीएचडी कार्यक्रम की शुरूआत की जा चुकी है।